कुमार जीवन - 35

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ रूहानी यूथ ग्रुप शान्तिकारी, कल्याणकारी ग्रुप है। **सदा विश्व में शान्ति स्थापना के कार्य में निमित्त** हैं, वह अशान्ति फैलाने वाले और आप शान्ति फैलाने वाले। ऐसे अपने को समझते हो? यूथ ग्रुप में राजनीतिक लोगों की भी उम्मीदें हैं और बापदादा की भी उम्मीदें हैं। उम्मीदें पूरी करने वाले हो ना! बच्चे सदा बाप की उम्मीदें पूरी करने वाले होंगे। तो सफलता के सितारे बन गवर्मेन्ट तक यह आवाज बुलन्द करना कि हम विजयी रत्न हैं! अभी देखेंगे कि कौनसे ग्रुप और कहाँ यह पहले झण्डा लहराते हैं।

➳ _ ➳ **कभी भी अपनी शक्तियों को मिसयूज नहीं करना। सदा यह याद रखो कि हमारे ऊपर बहुत बड़ी ज़िम्मेवारी है।** एक कमज़ोर तो एक के पीछे एक का सम्बन्ध है। हम ज़िम्मेवार हैं, यह स्मृति सदा रहे। जो कर्म आप करेंगे आपको देख सब करेंगे इसलिए साधारण कर्म नहीं, सदा श्रेष्ठ कर्म करने वाले, सदा अचल रहने वाले।

(09-05-1983)

➢➢ स्वयं के प्रति हमारी जिम्मेवारियां

➳ _ ➳ स्वयं को योग्य और योगी बनाना

➳ _ ➳ स्वयं को निर्विघन बनाना

➳ _ ➳ स्वयं को आध्यात्मिक रूप से परिपक्व बनाना

→ समाज के लोग आध्यात्मिक लोगों को बहुत ऊंची दृष्टि से देखते हैं

■ और उनसे बहुत आशाएं और उम्मीदें रखते हैं

▶ हम अगर हलचल में आ गए तो ठीक है ... पर तुम्हे हलचल में नहीं आना चाहिए

➳ _ ➳ स्वयं को इतना शक्तिशाली बनाना की हम दूसरों को आधार दे सकें

➳ _ ➳ स्वयं को हल्का रखना

➳ _ ➳ स्वयं को आदर्श बनाना

➳ _ ➳ **स्वयं को खुश रखना** (सभी विपरीत परिस्थितियों के बीच)

→ यह हमारी स्वयं के प्रति **मूलभूत, बुनियादी और सबसे बड़ी ज़िम्म्वारी** है

➳ _ ➳ स्वयं को सदा जागृत रखना

➳ _ ➳ स्वयं के समय का सदुपयोग

➳ _ ➳ स्वयं के संकल्पों को सदुपयोग

➳ _ ➳ स्वयं को संतुष्ट रखना

➳ _ ➳ स्वयं को सेफ रखना

➳ _ ➳ स्वयं की **भावनाओ को श्रेष्ठ रखना**

→ मुरली के प्रति

→ मधुबन के प्रति

→ बहनों के प्रति

→ सेण्टर के प्रति